एडवांस टेक्निकल एण्ड इण्डस्ट्रीयल ट्रेनिंग सेंटर

(ए प्रीमियर इंस्टीट्यूट ऑफ पीथमपुर ऑटो क्लस्टर)

मध्यप्रदेश शासन का उपक्रम

ATITC
Training that Drives the future

मासिक समाचार पत्र

जुलाई - 2026, अंक - 11

नवाचार और उद्यमिता- आई-टी-आई- छात्रें के लिए एक नई राह

डॉ. अपूर्व गायवाक
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
SGSITS इनक्यूबेशन फ़ोरम (SIF) इंदौर

आज के दौर में तकनीकी कौशल केवल नौकरी पाने का साधन नहीं, बल्कि अपना खुद का उद्यम खड़ा करने की नींव भी बन सकता है। ITI से प्रशिक्षित छात्रों के पास इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, फिटर, वेल्डिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में जो व्यावहारिक (हैंड्स–ऑन) दक्षता होती है, वह किसी भी नवाचार (इनोवेशन) की सबसे मजबूत बुनियाद है। नवाचार का मतलब सिर्फ बड़ी प्रयोगशालाओं में होने वाली रिसर्च नहीं है– यह किसी मशीन को थोड़ा बेहतर बनाना, किसी प्रक्रिया में समय व लागत कम करना, या किसी स्थानीय समस्या का व्यावहारिक समाधान खोजना भी हो सकता है। इंदौर जैसे औद्योगिक शहर में, जहाँ SGSITS Incubation Forum (SIF) जैसे इन्क्यूबेशन सेंटर सक्रिय हैं, छात्रों को अपने विचारों को व्यवसाय में बदलने के लिए मार्गदर्शन, फंडिंग और को–वर्किंग स्पेस जैसी सुविधाएँ आसानी से मिल सकती हैं।

ग्रासरूट इनोवेशन यानी जमीनी स्तर पर होने वाला नवाचार, भारत की असली ताकत है। यह वह नवाचार है जो किसी बड़ी कंपनी की रिसर्च टीम में नहीं, बल्कि किसान के खेत में, कारखाने के फ्लोर पर, या किसी छोटे कारीगर की वर्कशॉप में जन्म लेता है– जहाँ रोजमर्रा की समस्या को देखकर, सीमित संसाधनों में ही एक नया और उपयोगी समाधान बनाया जाता है। ITI छात्र, जो पहले से ही मशीनों और औजारों के साथ काम करने में माहिर होते हैं, ऐसे नवाचार के लिए सबसे उपयुक्त स्थिति में होते हैं। जरूरत सिर्फ इतनी है कि वे अपने आसपास की समस्याओं को उद्यमिता के अवसर के रूप में देखना सीखें – जैसे किसी लोकल इंडस्ट्री की मशीन की मरम्मत में लगने वाला समय कम करना, या कोई सस्ता और टिकाऊ उपकरण बनाना।

स्थानीय व्यवसाय (लोकल बिजनेस) को समझना और उससे जुड़ना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। पीथमपुर और इंदौर जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में छोटी–बड़ी हजारों फैक्ट्रियाँ और वर्कशॉप हैं, जिन्हें लगातार कुशल तकनीशियनों, नए उपकरणों और बेहतर प्रक्रियाओं की जरूरत रहती है। ITI छात्र यहीं से अपनी उद्यमिता की शुरुआत कर सकते हैं– चाहे वह एक छोटी मरम्मत सेवा हो, कस्टम फैब्रिकेशन यूनिट हो, या किसी खास औद्योगिक जरूरत के लिए बनाया गया उपकरण। स्थानीय उद्योग संगठन जैसे Association of Industries M-P- और Pithampur Audhyogik Sangathan जैसे मंच नए उद्यमियों को उद्योग जगत से जोड़ने का काम करते हैं, जिससे शुरुआती ग्राहक और नेटवर्क बनाना आसान हो जाता है।

अंत में, लोकल एक्सपर्ट्स और मेंटर्स से जुड़ना किसी भी नए उद्यमी के लिए सबसे कीमती संसाधन है। SIF जैसे इन्क्यूबेशन सेंटर अनुभवी उद्यमियों, उद्योग विशेषज्ञों और तकनीकी मेंटर्स का एक नेटवर्क उपलब्ध कराते हैं, जो नए विचारों को व्यावहारिक रूप देने में मदद करते हैं– चाहे वह प्रोटोटाइप बनाना हो, फंडिंग जुटाना हो, या बाजार तक पहुँचना हो। ITI छात्रों को चाहिए कि वे इन अवसरों का लाभ उठाएँ, स्थानीय कार्यशालाओं और स्टार्टअप इवेंट्स में भाग लें, और अपने कौशल को सिर्फ नौकरी तक सीमित न रखकर एक उद्यमी की सोच के साथ आगे बढ़ें। छोटे कदम से शुरू किया गया एक ठोस, व्यावहारिक विचार ही आगे चलकर एक सफल स्थानीय उद्यम बन सकता है।

गतिविधियाँ

1. "Lean Production": विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम :

एडवांस टेक्निकल एवं इंडस्ट्रियल ट्रेनिग सेंटर में दिनांक 03 जुलाई 2026 को संस्था के समस्त प्रशिक्षण अधिकारियों के लिए "Lean Production" विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. कुमार रोहित, विभागाध्यक्ष, बैचलर ऑफ डिज़ाइन विभाग, एस.जी.एस.आई.टी.एस., इन्दौर रहे। उन्होंने प्रशिक्षण अधिकारियों को लीन प्रोडक्शन की अवधारणा, इसके सिद्धांतों, औद्योगिक क्षेत्र में इसक महत्व तथा उत्पादन प्रक्रिया में अपव्यय (Waste) का कम कर गुणवत्ता, उत्पादकता एवं कार्यकुशलता बढ़ाने के प्रभावी उपायों पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की।

2.इन्डक्शन प्रोग्राम - कोपा व्यवसाय :

दिनांक 13 जुलाई 2026 को एडवांस टेक्निकल एवं इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर में नवीन सत्र 2026–27 में प्रवेशित "कंप्यूटर ऑपरेटर एवं प्रोग्रामिंग असिस्टेंट" व्यवसाय के प्रशिक्षुओं के लिए इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया।

"मुख्य अतिथि श्री सौरभ जैन (माइक्रोसॉफ्ट ग्राफ डेवलपर सपोर्ट) द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा जुड़कर सभी प्रशिक्षुओं को शुभकामनाएं प्रदान की। अपने संबोधन में उन्होंने COPA व्यवसाय के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्तमान डिजिटल युग में कंप्यूटर संचालन, प्रोग्रामिंग, क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा प्रबंधन, साइबर सुरक्षा तथा एआई आधारित तकनीकों का विभिन्न उद्योगों एवं संस्थानों में व्यापक उपयोग हो रहा है। उन्होंने प्रशिक्षुओं को निरंतर नई तकनीकों को सीखने, तार्किक सोच (Logical Thinking), समस्या समाधान क्षमता तथा व्यावहारिक कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

3. इन्डक्शन प्रोग्राम - इलेक्ट्रीशियन व्यवसाय :

एडवांस टेक्निकल एवं इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर, महू में दिनांक 20 जुलाई 2026 को नवीन सत्र 2026–27 में प्रवेशित इलेक्ट्रीशियन व्यवसाय के प्रशिक्षुओं के लिए इंडक्शन प्रोग्राम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अपूर्व गायवाक, CEO, SIF, SGSITS, इंदौर रहे। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में उन्होंने विद्युत क्षेत्र में तेजी से विकसित हो रही नई तकनीकों, आधुनिक उपकरणों, सुरक्षा मानकों (Electrical Safety), ऊर्जा दक्षता (Energy Efficiency), ऑटोमेशन तथा स्मार्ट इलेक्ट्रिकल सिस्टम्स जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने प्रशिक्षुओं को तकनीकी ज्ञान के साथ–साथ अनुशासन, कौशल विकास, सतत सीखने की प्रवृत्ति तथा व्यावसायिक नैतिकता अपनाने के लिए प्रेरित किया।

4. इंडक्शन प्रोग्राम-मशीनिस्ट व्यवसाय :

एडवांस टेक्निकल एवं इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर, महू में दिनांक 21 जुलाई 2026 को नवीन सत्र 2026–27 में प्रवेशित मशीनिस्ट व्यवसाय के प्रशिक्षुओं के लिए इंडक्शन प्रोग्राम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. पंकज भार्गव, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं विभागाध्यक्ष (उत्पादन), राजा रमन्ना उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र (RRCAT), इंदौर रहे। सभी को संबोधित करते हुए डॉ. पंकज भार्गव ने आधुनिक मशीनिंग तकनीकों, सीएनसी (CNC) मशीनों, प्रिसिजन मैन्युफैक्चरिंग, गुणवत्ता नियंत्रण, उद्योग 4.0 (Industry 4.0) तथा ऑटोमेशन के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रशिक्षुओं को तकनीकी दक्षता के साथ–साथ अनुशासन, समयपालन, सुरक्षा मानकों का पालन, निरंतर कौशल विकास एवं नवाचार की भावना विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

5. इंडक्शन प्रोग्राम -फिटर एवं वेल्डर व्यवसाय :

एडवांस टेक्निकल एवं इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर, महू में दिनांक 23 जुलाई 2026 को नवीन सत्र 2026–27 में प्रवेशित प्रशिक्षण व्यवसाय के प्रशिक्षुओं के लिए इंडक्शन प्रोग्राम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. तन्मय कुंडु, डीन (रिसर्च), भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM), इंदौर रहे।

डॉ. तनय कुंडु ने प्रशिक्षुओं को तकनीकी ज्ञान के साथ–साथ नवाचार (Innovation), अनुसंधान (Research), समस्या–समाधान क्षमता, नेतृत्व कौशल, उद्यमिता (Entrepreneurship) तथा सतत सीखने की प्रवृत्ति विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान औद्योगिक परिवेश में केवल तकनीकी दक्षता ही नहीं, बल्कि रचनात्मक सोच, प्रभावी संवाद कौशल एवं टीमवर्क भी सफलता के महत्वपूर्ण आधार हैं।

6. कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव :

एडवांस टेक्निकल एवं इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर महू द्वारा जुलाई माह में शिवानी डिर्टजैन्ट प्रा.लि. एवं वाल्वो आयशर कर्मेशियल लि. कंपनियों के लिए 2–3 जुलाई 2026 को कैंपस प्लेसमेंट ड्राइवों का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न ट्रेडों के 14 विद्यार्थियो का विभिन्न पदों पर चयन किया गया।

7. प्रेरणादायक व्याख्यान :

दिनांक 27 जुलाई 2026 को एडवांस टेक्निकल एवं इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर में मानव अधिकार एवं महिला एवं बाल विकास विषय पर एक प्रेरणादायक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मानव अधिकार एवं महिला एवं बाल विकास आयोग से डॉ. कनक पटेरिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. महेश वर्मा तथा उमिया संरक्षक ने विद्यार्थियों को प्रेरणादायक एवं मार्गदर्शी व्याख्यान प्रदान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को मानव अधिकारों, महिला एवं बाल संरक्षण तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया।

संस्था के प्राचार्य श्री अंशुल मिश्रा ने सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में प्रशासनिक अधिकारी डॉ. राकेश कुमार दाँगी ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

6. गुरु पूर्णिमा :

एडवांस टेक्निकल एवं इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर में दिनांक 29 जुलाई 2026 को विभिन्न ट्रेडो में 14 विद्यार्थियों का चयन हुआ। ''गुरु पूर्णिमा'' पर्व के उपलक्ष्य में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के प्राचार्य श्री अंशुल मिश्रा एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. राकेश कुमार दाँगी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

इस अवसर पर प्राचार्य श्री अंशुल मिश्रा तथा डॉ. राकेश कुमार दाँगी ने विद्यार्थियों को गुरु पूर्णिमा के धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महत्व तथा भारतीय गुरु–शिष्य परंपरा की गौरवशाली विरासत के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने गुरुजनों के प्रति सम्मान, अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा का संदेश देते हुए उनके मार्गदर्शन में निरंतर ज्ञानार्जन करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में संस्थान के अधिकारीगण, प्रशिक्षण अधिकारी, कर्मचारी एवं सभी छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सभी द्वारा गुरुजनों के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान व्यक्त करने के साथ हुआ।

तकनीकी पृष्ठ

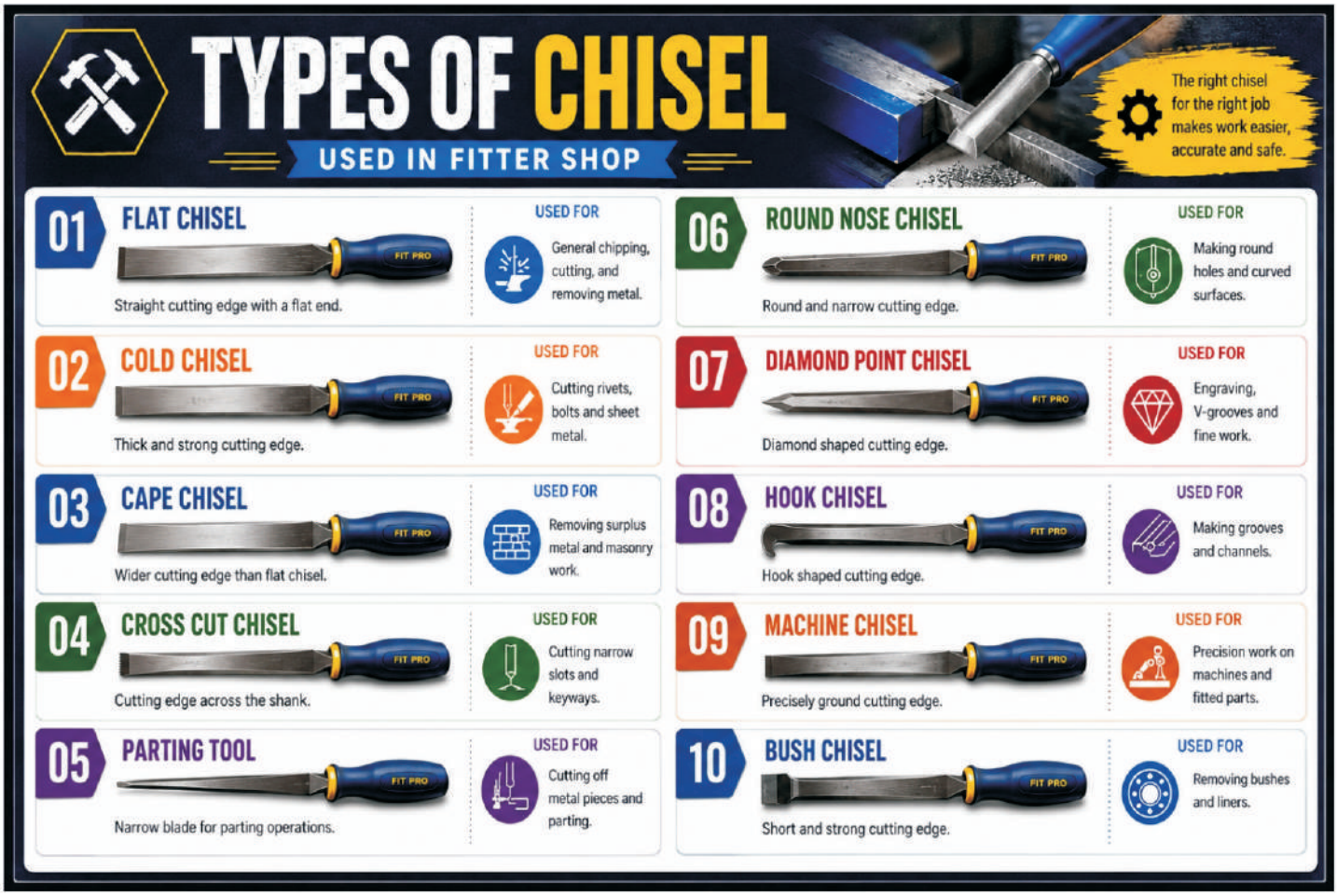

"सफलता की कहानी"

मेरा नाम अनुराग राठौर है। मेरे पिताजी का नाम श्री रमेश राठौर है। मैं धार जिले के बागड़ी नगर का निवासी हूँ। मैंने दो वर्षीय पाठ्यक्रम मशीनिस्ट व्यवसाय (एन.सी.वी.टी.) में एडवांस टेक्निकल एवं इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर से प्रशिक्षण प्राप्त किया था। इस प्रशिक्षण के दौरान हमें बेसिक फिटिंग, पारंपरिक मशीनों जैसे लेथ, मिलिंग, ग्राइंडिंग के साथ–साथ सी.एन.सी. मशीन की प्रोग्रामिंग और ऑपरेशन का भी प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण पूर्ण होने के पहले ही संस्था द्वारा कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से मेरा चयन Cummins Technologies Ltd. Pithampur में 01 वर्ष की अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग के लिए हो गया। उसके पश्चात् इसी कंपनी में मैंने 02 वर्ष तक Trainee के पद पर कार्य किया। इसके बाद पुनः संस्था के माध्यम से मेरा placement महू स्थित कंपनी Indo Tooling Pvt. Ltd. में हो गया तथा वर्तमान में मैं इसी कंपनी में कार्य कर रहा हूँ। मैं एडवांस टेक्निकल एवं इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर के प्रबंधन, प्राचार्य महोदय, समस्त कर्मचारियों और विशेषकर सभी प्रशिक्षण अधिकारियों का हृदय से आभार और धन्यवाद प्रकट करता हूँ, जिनके कारण मुझे इतना अच्छा प्रशिक्षण, कौशल तथा आधुनिक तकनीकी ज्ञान प्राप्त हुआ और आज एडवांस टेक्निकल एवं इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर के कारण मुझे एक अच्छी कंपनी में नियमित नौकरी प्राप्त हुई है।

113/2 बी., ग्राम- हरनियाखेड़ी, वेटेनरी महाविद्यालय के सामने, ए.बी. रोड़, महू, जिला इन्दौर-453446 फोन 07324-276114

admin@atitc.in | www.atitc.in